इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

ग्रेड 'ए' - 3.33 (सीजीपीए)

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय (स्थापना वर्ष 1924) दिल्ली विश्वविद्यालय का सबसे पुराना महिला कॉलेज है| इस कॉलेज की स्थापना स्त्री-शिक्षा एवं स्त्री-सशक्तीकरण के राष्ट्रीय अभियान को रूप देने के लिए हुई | इसका परिसर आज जिस भवन में स्थापित है वह दिल्ली के मानचित्र पर ऐतिहासिक महत्व रखता है | इसके विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में लगभग 3500 छात्राएँ हैं | मानविकी, गणित विज्ञान तथा वाणिज्य के क्षेत्र में कॉलेज ऐसे अनेक पाठ्यक्रम चलाता है जिनमें अंतर-अनुशासनिक अध्ययन को प्रोत्साहन दिया जाता है | विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्वीकृति प्राप्त होने पर जुलाई 2016 से कॉलेज में दो पाठ्यक्रम बी.ए (ऑनर्स) समाजशास्त्र तथा बी.ए (ऑनर्स) भूगोल भी आरम्भ हो जायेंगे | इस कॉलेज में बी.ए (ऑनर्स) मल्टीमीडिया तथा जनसंचार का विशेष पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है | यह एक सेल्फ फिनानासिंग कोर्स है |

यह कॉलेज छात्राओं की सुविधा के लिए ऐसे कार्यक्रम अपनाता है जिससे विविध पृष्ठभूमि से आई हुई छात्राओं को एक किया जा सके | हमारे यहाँ एडमिशन में किसी भी आधार पर किसी भी तरह का भेद-भाव नहीं किया जाता और साथ ही जिन छात्राओं को आर्थिक सहायता कि आवश्यकता है एडमिशन के समय उन्हें यह सहायता उपलब्ध करवाई जाती है | अपनी दिव्यांग छात्राओं के लिए कॉलेज बहुत-सी सुविधायें प्रदान करता है इसका कोना-कोना ऐसे तैयार किया गया है जिससे उनकी गति में किसी भी तरह का अवरोध ना हो | कॉलेज में सक्षमता ईकाई (enabling unit) तथा समान अवसर प्रकोष्ठ (equal opportunity cell) हैं | अपनी छात्राओं को अंग्रेजी तथा सूचना तकनीकों (कंप्यूटर सम्बन्धी) में सक्षम बनाने के लिए कॉलेज इन क्षेत्रों में कई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाता है | कॉलेज कि वार्षिक रिपोर्ट तथा विवरणिका हिंदी में भी प्रकाशित होते हैं | अब हमारी वेबसाइट hindi.ipcollege.ac.in हिंदी में शुरू हो गयी है | यह एक मात्र ऐसा कॉलेज है जिसमें स्नातक स्तर के छात्रों के लिए रिसर्च ग्रांट दिया जाता है | कॉलेज अपनी छात्राओं को मौलिक शोध के लिए प्रोत्साहित करता है | अंतरराष्ट्रीय छात्राओं के लिए इंटरनेशनल स्टूडेंट डेस्क, पूर्वोत्तर से आई छात्राओं के लिए नार्थ ईस्ट सोसाइटी उनकी मदद करते हैं | हमारे यहाँ एक सक्रिय महिला विकास केंद्र भी है जो महिला एवं जेंडर से जुड़े सवालों पर छात्राओं को सचेत करता है | मेडिकल सुविधाओं कि दृष्टि से हमारे यहाँ एक डॉक्टर, नर्स, तथा काउंसिलर उपलब्ध हैं | इन सुविधाओं के अतिरिक्त कॉलेज में एक करिअर गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल भी है |

कॉलेज कि महत्ती उपलब्धियों में यहाँ चार शोध एवं अध्ययन संसाधन केंद्र हैं---इस ऐतिहासिक महाविद्यालय की विरासत का प्रतिनिधित्व और इसके इतिहास को चिह्नित करने वाले समकालीन

प्रदर्शों से युक्त संग्रहालय और अभिलेखागार, अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केन्द्र, जो अत्यंत सक्रिय एवं लोकप्रिय है | 2016 में दो नए शोध और शिक्षा केन्द्रों---पृथ्वी अध्ययन केन्द्र तथा अंत:विषय अध्ययन केन्द्र का आरंभ हुआ है ।

यहां दो छात्रावास हैं---200 सीटों वाला कलावती गुप्ता छात्रावास और इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय छात्रावास जहां 170 छात्राओं के रहने की सुविधा है। (कलावती गुप्ता छात्रावास नवीकरण एवं निर्माण हेतु शैक्षणिक सत्र 2016-17 के लिए बंद है, जिससे इस वर्ष छात्रावास में दाखिले नहीं होंगे) |

कॉलेज में एक अच्छा पुस्तकालय है जिसमें बुक बैंक तथा दिव्यांग छात्राओं के लिए लिफ्ट जैसी सुविधायें हैं | पुस्तकालय में 80 कम्प्यूटरों से युक्त आई.सी.टी. सेंटर भी अवस्थित है। महाविद्यालय में संपादन की सुविधाओं से युक्त अपना स्टूडियो और प्रोडक्शन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय के माध्यम से विश्वव्यापी प्रसारण सुविधाओं से युक्त सामुदायिक रेडियो के लिए हब, दृश्य-श्रव्य संसाधन केन्द्र, संगोष्ठी कक्ष, अत्याधुनिक सम्मेलन कक्ष, 586 सीटों की क्षमता वाला पूर्णत: वातानुकूलित सभागार, प्रदर्शनियों के तीन प्रकोष्ठ, सक्षम प्रयोगशालाएँ और महाविद्यालय के शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों के लिए सहायक अन्य अवसंरचनाएँ उपलब्ध हैं। महाविद्यालय में खेल का विशाल मैदान है। यहाँ तरणताल, क्लाइम्बिंग वॉल, वॉकिंग ट्रैक, व्यायामशाला, शूटिंग रेंज, फिटनेस सेंटर जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। महाविद्यालय द्वारा अनेक पाठ्येतर गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाता है। इसके पास 26 सीटों वाली अपनी बस भी है। महाविद्यालय की अवसंरचना को सहायता देने के लिए यहाँ बिजली का पूरा बैक-अप है जिससे कि महाविद्यालय की गतिविधियाँ बाधामुक्त चल सकें।

इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय, सिविल लाइंस मेट्रो स्टेशन के समीप अवस्थित है और यह शहर की अन्य यातायात सेवाओं से भी अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

डॉ.बाबली मोइत्रा सर्राफ़
प्राचार्या